# ज्वालामुखी योग - 17

**अव्यक्त बापदादा :-**

➳ _ ➳ प्रश्न - बाप के याद की लगन, अग्नि का काम करती है, कैसे?

➳ _ ➳ उत्तर - जैसे **अग्नि में कोई भी चीज़ डालो तो नाम, रूप, गुण सब बदल जाता है,** ऐसे **जब बाप के याद की लगन की अग्नि में पड़ते हो तो परिवर्तन हो जाते होना!** मनुष्य से ब्राह्मण बन जाते, फिर ब्राह्मण से फरिश्ता सो देवता बन जाते। तो कैसे परिवर्तन हुए? लग्न की अग्नि से। **अपनापन कुछ भी नहीं। मानव, मानव नहीं रहा फरिश्ता बन गया।**

➳ _ ➳ **जैसे कच्ची मिट्टी को साँचे में ढालकर आग में डालते हैं तो ईंट बन जाती,** ऐसे यह भी परिवर्तन हो जाता। इसलिए इस याद को ही ज्वाला रूप कहा है। ज्वालामुखी भी प्रसिद्ध है, तो ज्वालादेवी वा देवतायें भी प्रसिद्ध हैं। (12.10.1981)

---

➢➢ Pre Yoga ( अग्नि से पूर्व )

➳ _ ➳ लिस्ट बनानी है की

→ मेरे योग का क्या उद्देश्य है ?

→ मुझे इस योग भट्टी में स्वयं में क्या क्या परिवर्तन लाने हैं ?

---

➢➢ In Yoga ( अग्नि में )

➳ _ ➳ 4 वरदान विशेष रूप से लेने हैं

→ निमित भव

→ नम्रचित भव

→ निरहंकारी भव

→ निर्माण भव

---

➢➢ Post Yoga ( अग्नि के बाद )

➳ _ ➳ ये सब परिवर्तित हो जाता है

→ नाम

- देह के नाम की बजाये स्वमान वाले नाम आ जाएँ

→ रूप

- आत्मिक रूप में स्थित हो जाएँ

→ गुण

- परमात्म गुण समा जाए

→ कर्तव्य

- अपने कर्तव्यों की जागृति आ जाए
- भूल करना अपराध नहीं परन्तु वही भूल दुबारा करना अपराध है

→ पता

- मेरा ठिकाना अब परमधाम है

→ दृष्टि

- सभी आत्मिक स्वरुप में स्थित हो जाएँ

→ दृष्टिकोण

- Attitude सकारात्मक हो जाए

→ वृत्ति

- सभी के प्रति शुभ भावना

→ स्वभाव संस्कार / आदतें / Nature

- स्वभाव का Atmoic Number change हो जाए

→ सम्बन्ध संपर्क

- सबंधो में आकर्षण और घृणा दोनों ही न हो

→ अतीत

- बुरे व्यवहार और अपमान को भूल जाएँ
- पुराने जन्म की तरह भूल जाएँ
- चलना सीखने के लिए गिरने का होंसला स्वयं में भरना होगा

→ वर्तमान

- वर्तमान में जीना शुरू कर दें

→ भविष्य

- चिंता बिलकूल न रहे

→ बोल

- बोल मीठे हो जाएँ

→ सेवा

- मैं का वर्णन बिलकूल न हो
- अगर किसी को भारत जीतने और पाकिस्तान हारने की ख़ुशी है तो उसमें अभी विश्व कल्याणकारी की भावनाएं नहीं...

→ संकल्प ( विचार )

→ सोच ( Understanding )

→ भाव और भावनाएं

→ स्मृतियाँ ( Memories )

→ Vibrations

→ वायुमंडल

→ व्यवहार

→ जीवन शैली

→ शिकायतें

- उसके प्रति सिर्फ एक धन्यवाद का भाव हो
- धन्यवाद शब्द बहुत छोटा है उसकी कृपा के आगे... उसने जो दिया है... वह विराट है...